बुधवार
24 जुलाई 2024

पृष्ठ 4

खाली पेट लौकी का जूस क्यों पीते...

पृष्ठ 5

शमा सिकंदर ने व्हाइट ऑफ शोल्डर..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 169
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते।
– वेदव्यास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

धामों की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ नहीं करने देंगेः कांग्रेस

विशेष संवाददाता

●कांग्रेस ने हरिद्वार से शुरू की धाम प्रतिष्ठा यात्रा
●5 अगस्त को केदारधाम में होगा समापन

हरिद्वार। धामों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के प्रति आम नागरिकों को जागरूक बनाने के लिए कांग्रेस ने अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुरूप हरिद्वार हर की पैड़ी से केदारधाम के लिए यात्रा की शुरुआत कर दी है। जिसका समापन 5 अगस्त को केदारनाथ धाम में होगा।

इस अवसर पर पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि भाजपा अपने राजनीतिक हितों के लिए धर्म की राजनीति करती आ रही है अब उसने उत्तराखंड के पवित्र धामों का भी बाजारीकरण और राजनीतिकरण करना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के द्वारा धामों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का काम तो किया ही जा रहा है इसके साथ ही देवभूमि की संस्कृति के साथ भी खेल खेला जा रहा है। लेकिन कांग्रेस उसे इस तरह के प्रयासों में सफल नहीं होने देगी। इस अवसर पर नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सनातन धर्म के नाम पर भाजपा के नेता धामों की प्रतिष्ठा को दांव पर लगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने युग युगांतर से जो धाम देवभूमि की धरोहर हैं भाजपा नेताओं द्वारा उन धामो को भी राजनीति का मुद्दा बनाया जा रहा है।

इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि उनकी यह यात्रा कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। उनकी इस यात्रा का मकसद आम लोगों को जागरूक करना और यह बताना है कि भाजपा द्वारा सनातन धर्म और हमारे पवित्र धामों की मर्यादा को किस तरह से खंडित करने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आस्था और श्रद्धा से जुड़े धामों की मर्यादा को बचाने के लिए आम आदमी भी जागरूक बने। उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम करने से बाज आये। उधर प्रीतम सिंह ने कहा कि हमारे धाम हमारे प्रदेश की मर्यादा और प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। भाजपा जिस तरह देश भर के धार्मिक स्थलों को लेकर राजनीति करती आई है उसका सच अब देश की जनता जान चुकी है उनका यह प्रयोग उत्तराखंड में सफल नहीं हो सकता है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

हल्द्वानी में अतिक्रमण हटाने पर लगी रोक

विशेष संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा, पुनर्वास का क्या है प्लान?

●रेलवे ट्रैक के पास अतिक्रमण का मुद्दा, हाई कोर्ट ने दिए थे अतिक्रमण हटाने के आदेश, अगली सुनवाई 11 सितंबर को, सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने आज हल्द्वानी स्टेशन और रेलवे ट्रैक के आस-पास अवैध रूप से बसे लोगों की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अदालत निर्दयी नहीं हो सकती है, जो लोगों को बेघर कर दे।

उल्लेखनीय है कि हल्द्वानी रेलवे स्टेशन और ट्रैक के आस-पास हजारों की संख्या में अवैध रूप से बसे लोगों को हटाने के मामले में हाईकोर्ट द्वारा प्रशासन और रेलवे को अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे, जिसके खिलाफ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि दशकों से इस जगह पर बसे लोगों ने अपने जीवन की सारी कमाई लगाई हुई है अगर उन्हें बेघर कर दिया जाता है तो वह कहां जाएंगें। अगर सरकार या रेलवे उन्हें हटाना चाहती है तो उनके पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए।

जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने आज हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा रेलवे व सरकार के अधिवक्ता से पूछा गया है कि सरकार द्वारा इन लोगों के पुनर्वास की क्या कुछ व्यवस्था की गई है अगर नहीं की गई है तो सरकार के पास उनके पुनर्वास की क्या

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सुरक्षाबलों व आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, एक जवान भी घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कोवुत में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। मुठभेड़ में सेना का एक नॉन कमीशन ऑफिसर भी घायल हो गया है। इंडियन आर्मी की चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन की जानकारी शेयर की। चिनार कॉर्प्स ने अपने पोस्ट में लिखा,

कुपवाड़ा के कोवुत क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। 24 जुलाई को, संदिग्ध गतिविधि देखी गई। पोस्ट में आगे बताया गया, इलाके में सेना का सर्च ऑपरेशन देखकर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। इस गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया और एक एनसीओ घायल हो गया।

नेपालः त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ प्लेन क्रैश, विमान में 19 यात्री थे सवार

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में टेकऑफ के दौरान एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में 19 लोग सवार थे। प्लेन जैसे ही क्रैश हुआ उसमें भीषण आग गई। इस प्लेन क्रैश में कई यात्रियों के मारे जाने की आशंका है।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, सौर्य एयरलाइंस का एक विमान बुधवार को काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में विमान चालक दल समेत उन्नीस लोग सवार थे। विमान सुबह करीब 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद पूरे एरिया में धुआं

छाया रहा। नेपाली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दुर्घटना के समय विमान पोखरा के प्रसिद्ध रिसॉर्ट शहर के लिए रवाना हुआ था। एयरपोर्ट पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है, लेकिन उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। सौर्य एयरलाइंस एक घरेलू एयरलाइन है जिसके बेड़े में सिर्फ 3 विमान हैं। सभी बॉम्बार्डियर सीआरजे 200 हैं। प्रत्येक विमान की क्षमता 50 यात्रियों की है। हादसे के बाद एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। श्साउथ एशिया टाइमश के अनुसार, विमान टेकऑफ के दौरान रनवे से फिसल गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के तुरंत बाद विमान में आग लग गई। आग बुझाने और जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए फायर ब्रिगेड की टीम और सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पर मौजूद हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दुर्भाग्यपूर्ण सौर्य आर्लाइन्स फ्लाइटकुछ तकनीकी कर्मचारियों को भी ले जा रही थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

सरकार का बजट

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा कल जो बजट पेश किया गया है वह उनके पिछले 6 बजटों से बिल्कुल अलग हटकर है। उनके इस बजट में युवा और बेरोजगारों तथा छोटे व्यवसाईयों और गरीबों पर सबसे अधिक फोकस किया गया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस बजट पर मजबूत विपक्ष की परछाई के प्रभाव को साफ तौर पर देखा जा सकता है। भाजपा को 2024 के चुनावी नतीजों से यह समझ आ गया है कि अगर उसके द्वारा देश के उन युवा बेरोजगारों की तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। सरकार द्वारा इस बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 32 फीसदी से अधिक बजट का प्रावधान किया गया है। जो युवा भारत की सोच को बल प्रदान करने वाला है। नये युवा व्यवसायियों को स्टार्टअप के लिए मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाला 10 लाख के ऋण को बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है। जो इस योजना के तहत पूर्व समय में काम कर रहे हैं वह भी अपने कार्य विस्तार के लिए 10 लाख का और भी ऋण ले सकेंगे। रोजगार बढ़ाने के लिए देश के बड़े 500 उद्योगों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की व्यवस्था करने तथा नए रोजगार पाने वालों को पहले महीने का वेतन सरकार द्वारा दिए जाने की घोषणा रोजगार को प्रोत्साहित करने वाली है। कांग्रेस द्वारा अपने न्याय पत्र में युवाओं के रोजगार के लिए जो प्रस्तावित वायदे किए गए थे उसे सीतारमण द्वारा घुमा फिरा कर इस बजट में शामिल करने का प्रयास किया गया है भले ही कांग्रेस के नेता इस बजट को अपने न्याय पत्र की नकल बताकर टीका टिप्पणी कर रहे हो लेकिन यह अच्छा ही है कि कम से कम 11 साल बाद ही सही सरकार ने युवाओं की सबसे गंभीर समस्या बेरोजगारी की ओर ध्यान तो दिया। केंद्र सरकार द्वारा एमएसएमई सेक्टर के लिए जो कॉल लेटर फ्री लोन की व्यवस्था की गई है उससे उन्हें लोन मिलना आसान होगा। अब तक बैंकों द्वारा उनके 75 प्रतिशत आवेदन रद्द कर दिए जाते थे। सरकार के इस फैसले से बीमारू और नये एमएसएमई सेक्टर को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार द्वारा गरीबों के लिए 30 लाख नए घर बनाकर देने का वायदा किया गया है। एक तरफ हम विकसित भारत की बात करते हैं वहीं दूसरी तरफ आजादी के इस अमृत काल में भी लोगों के पास अगर सिर छुपाने के लिए छत नहीं है तो इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है सरकार ने 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन बांटने की व्यवस्था को भी जारी रखा है। निश्चित ही इससे गरीबों को थोड़ी सी राहत तो मिलेगी ही। रही बात किसानों की आय बढ़ाने की या उनकी आर्थिक सेहत सुधारने की तो सरकार ने इस बजट में भी उन्हें झुनझुना ही थमा दिया है। जिस प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और 109 नई उन्नत किस्म के जरिए पैदावार बढ़ाने और उनकी उपज को संरक्षित करने की बात इस बजट में कही गई है उसका कब धरातल पर किसानों को कोई फायदा होगा या नहीं भी होगा कुछ नहीं कहा जा सकता है। किसानों की सबसे बड़ी मांग एमएसपी गारंटी कानून को लेकर भी इसमें कुछ नहीं कहा गया है। उनके कर्ज माफी या 500 रूपयें की सम्मान निधि को बढ़ाने पर भी कोई बात नहीं की गई है। एक खास बात इस बजट की यह जरूर रही है कि सरकार अपने सहयोगी दलों जेडीयू बिहार व आंध्र प्रदेश सहित कुछ राज्यों पर अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए मेहरबानी जरूर रखी है नायडू व नीतीश के लिए सरकार ने भले ही उनके राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा न दिया हो लेकिन बिहार व आंध्र प्रदेश के लिए योजनाओ की बड़ी सौगात देकर सरकार को मजबूती देने का प्रयास जरूर किया तथा कुछ राज्यों में अपनी मजबूत पकड़ बनाने के लिए उन्हें भी इस कड़ी में जोड़ा गया है। अब लोग इस बजट पर क्या सोचते हैं अलग बात है। लेकिन सरकार ने बजट से कई उद्देश्य साधने का प्रयास जरूर किया है।

बजट के विरोध में कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ ने फूंका पुतला

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ ने बजट के विरोध में पुतला दहन किया।

आज यहां महानगर कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ व्यापारियों ने बजट के विरोध में डिस्पेंसरी रोड पर एक पुतला दहन किया। केंद्र सरकार पर गुस्सा दिखाया की केंद्र सरकार व्यापारी विरोध सरकार है। महंगाई विरोधी सरकार है, बेरोजगारी विरोधी सरकार है। बजट में सरकार ने किसी भी प्रकार का व्यापारियों का साथ नहीं दिया और जब सत्ता में आए थे तो वायदे किए थे उसे पूरा नहीं किया। पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा जब सरकार सत्ता में आई थी तो जो वादे जनता से किए थे उसे पूरा नहीं किया। व्यापारी परेशान है बेरोजगारी चरम सीमा पर महंगाई आसमान छु रही है लेकिन सरकार मस्त है। महानगर कांग्रेस व्यापार

प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा का कहना है कि सरकार व्यापारियों के बारे में कुछ नहीं सोचती है। व्यापारियों को उम्मीद थी जीएसटी कम किया जाएगा टोल टैक्स कम किया जाएगा महंगाई कम की जाएगी बेरोजगारी कम की जाएगी लेकिन ऐसा सरकार ने नहीं किया जिससे व्यापारी नाराज है। व्यापारी राम कपूर, शेखर कपूर, अजीत सिंह, अरुण कोहली, राजेंद्र सिंह घई, भूपेंद्र वाधवा, चमन लाल, चरण सचदेवा, आमिर खान, विशाल खेड़ा, सनी सोनकर, आमिर खान, हैप्पी डोरा, अनस खान, जाहिद खान, दानिश, भगत, सुमित, इकरार अहमद, चांद दुपट्टा आदि मौजूद थे।

जमीन के नाम पर 35 लाख की ठगी करने पर 3 के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 35 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर नई दिल्ली निवासी हरीश रामचंदानी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि श्रीमती रीता शर्मा एवं उनके पति अजय कुमार शर्मा की सम्पत्ति स्थित मौजा कांवली को विक्रय हेतु उसको दिखाया गया था, उक्त सम्पत्ति उसको पसंद आने पर सम्पत्ति का विक्रय की बावत 23 सितम्बर 2023 को एक नोटराईज अनुबन्ध पत्र उसके पुत्र कुशाग्र रामचन्दानी एवं श्रीमती रीता शर्मा और उनके पति के नाम कचहरी देहरादून मे निष्पादित किया था जिसमें उनका पुत्र चन्दन गोतम तथा तुषार गाबा बतौर गवाह थे। उक्त सम्पत्ति के क्रय की बावत 35 लाख रूपये बतौर बयाना भी दिया गया था तथा अनुबन्धित सम्पत्ति का विक्रय पत्र निष्पादन करने की समयावधि 23 फरवरी 2024 तक निर्धारित की गयी थी, किन्तु इस बीच अजय कुमार शर्मा का 13 दिसम्बर 2023 को देहान्त होने के कारण उक्त विक्रय पत्र नियत समय पर निष्पादित नही हो सका। उनकी मृत्यु के पश्चात श्रीमती रीता शर्मा , पुत्र चन्दन गोतम व पुत्री श्रीमती चॉदनी काम्बोज द्वारा उससे कहा गया कि उक्त सम्पत्ति विरासत मे उनके नाम आने पर ही कानूनन विक्रय पत्र निष्पादित हो पायेगा। प्रार्थी द्वारा समयावधि बढाने का अनुबन्ध पत्र भी तैयार किया गया लेकिन उक्त तीनो व्यक्तियों द्वारा कहा गया कि वह अपने पति / पिता के किये गये वादे / अनुबन्ध अनुसार सम्पत्ति का विक्रय पत्र उसके पुत्र के नाम विरासत हो जाने के पश्चात जल्द से जल्द निष्पादित कर देंगे, इसलिए समयावधि बढाने के अनुबन्ध की आवश्यकता नही है। जिसके बाद वह उसको टालते रहे। उसने जब अपने रूपये वापस मांगे तो उन्होंने उसको रूपये देने से मना कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल पर धक्का मारने के बहाने स्कूटी लेकर हुआ फरार

देहरादून (सं)। मोटरसाईकिल पर धक्का मारने के बहाने स्कूटी लेकर फरार होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष नगर निवासी सतेन्द्र सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी स्कूटी से सब्जी मण्डी निरंजनपुर सब्जी व फल लेने आ रहा था माजरा के आसपास उसको एक मोटर साइकल सवार व्यक्ति मिला जिसने बताया कि उसकी मोटर साईकिल पर तेल खत्म हो गया है। वह उसकी मोटर साईकिल पर पीछे से धक्का मारकर मदद कर दो फिर उसने उसकी मोटर साइकल पर पीछे से धक्का मारा फिर उसने कहा कि वह मोहब्बेवाला मे रहता है तथा वह गढ़वाली है फिर उसको उस पर विश्वास हो गया तो उसने कहा कि वह उसको अपनी स्कूटी दे दो और वह उसकी मोटर साइकल पर बैठ जाए वह पीछे से धक्का मारता है फिर उसने अपनी स्कूटी आईटीआई के पास उसे दे दी और वह स्कूटी के पीछे धक्का मारने लगा फिर वह भण्डारी बाग तक गये और वहां से वापस मुड गये परन्तु वह उसकी स्कूटी ले गया और अब तक वापस नही दी है और अपनी मोटर उसको दे दी। उसने उसको ढूढ़ने का काफी प्रयास किया परन्तु काई पता नही चल पाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

25 किलो गांजा तस्करी में दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले के दौरान यूपी से हरिद्वार गांजा तस्करी करने आये दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 25 किलो गांजा व तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली ज्वालापुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस

दौरान पुलिस को सराय रोड़ स्थित ट्रांसपोर्ट नगर गेट के पास एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो कार सवार कार छोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें रखा 25 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होने अपना नाम लोकेश कुमार शर्मा पुत्र प्रमोद कुमार शर्मा निवासी कस्बा झालू थाना हल्दौर जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश व राहुल प्रताप सिंह पुत्र तेजेंद्र पाल निवासी ग्राम उरला थाना आवला जनपद बरेली उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे अदालत में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

आईएएस अधिकारी बनकर ठगे लाखों रुपये, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। स्वंय को आईएएस अधिकारी बताकर लाखों रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कारबारी ग्रांट शिमला बाईपास निवासी सन्तोष शर्मा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके घर के पास ही उसकी मौसी श्रीमती सुधा देवी का परिवार भी निवास करता है तथा उनकी पुत्री साक्षी अंथवाल द्वारा 20 अगस्त 2023 को अपने एक मित्र हिमांशु जुयाल को पुत्र विजय भूषण जुयाल वर्तमान निवासी न्यायखण्ड 3 इन्द्रापुरम गाजियाबाद उत्तरप्रदेश का परिचय उससे यह कहा कर कराया गया कि हिमांशु जुयाल एक आईएएस अधिकारी है तथा वर्तमान में स्टडी आन लीव पर है तथा पब्लिक एडमिनिस्ट्रेसन विषय में पी एच डी कर रहे है. इस बात की स्वीकृति स्वम हिमाशु जुयाल द्वारा भी उसको दी गयी तथा अपना आई ए एस अधिकारी होने सम्बन्धी आईडी भी उसको उपलब्ध कराया गया। हिमांशु जुयाल द्वारा स्वम को आई ए एस बननें / चयन से पूर्व आई एफ एस अधिकारी बताया गया, तथा विभागीय पोषाक में अपनी तस्वीर उसको दिखायी व दी गयी तथा कहा गया की यह उसकी आई एफ एस फारेस्ट अधिकारी के रूप में कार्यरत होने के समय की तस्वीरे है साक्षी अथंवाल व हिमाशु जुयाल द्वारा उससे आग्रह किया गया कि वह कुछ समयावधि तक हिमांशु जुयाल को अपने निवास में रहने दें ताकि वह अपना अध्ययन सुचारू रूप से कर सके और वह दोनो एक दूसरे से प्रेम करते है और जल्द ही वह दोनो शादी करने वाले है। उसके द्वारा उपयुक्त अपनी मौसी की पुत्री साक्षी अंथवाल तथा हिमाशु जुयाल की बातों पर विश्वास करके हिमाशु जुयाल को अपने घर पर रहने कि अनुमति प्रदान की गयी। जिसके बाद हिमांशु जुयाल ने उसको व उसकी पत्नी को बातों में लेकर उनसे लाखों रूपये ठग लिये तथा उनके घर से जेवरात व फोन चोरी करके फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में नजर आएंगे कुशा कपिला और दिव्येंदु

प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में कुशा कपिला और दिव्येंदु नजर आएंगे। अपकमिंग सीरीज में कुशा को कल्कि और दिव्येंदु को देव के किरदार में दिखाया गया है। उनके साथ इसमें विनय पाठक, मुक्ति मोहन और अन्य लोग भी शामिल हैं। दिव्येंदु ने कहा कि वह लाइफ हिल गई के साथ अपनी कॉमेडी से दर्शकों को एक और सरप्राइज देना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब आप लाइफ हिल गई देखेंगे तो आपको अपने भाई-बहनों के साथ झगड़े, प्यार और नफरत का रिश्ता और भाई-बहनों के बीच होने वाली लड़ाई की याद आएगी। हमने इसकी शूटिंग का भरपूर आनंद लिया और मुझे यकीन है कि स्क्रीन पर भी वैसा ही होगा और हम आप सभी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुशा ने अपने किरदार कल्कि के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लाइफ हिल गई की स्क्रिप्ट और कलाकारों ने बेहद प्रभावित किया। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना जिन्हें बेहद प्यार किया जाता है एक सपने के सच होने जैसा है। साथ ही मुझे इसमें अपना किरदार कल्कि भी बेहद पसंद आया, जो बेहद ईमानदार और देखने लायक है। सीरीज का निर्माण हिमश्री फिल्म्स की आरुषि निशंक ने किया है, इसका निर्देशन प्रेम मिस्त्री ने किया है। जसमीत सिंह भाटिया ने इसे लिखा है। हिमश्री फिल्म्स की निर्माता आरुषि निशंक ने कहा, सीरीज लाइफ हिल गई एक कॉमेडी-ड्रामा है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी दुनिया की रचना थी जो भरोसेमंद, हल्की-फुल्की हो। इसके साथ ही उत्तराखंड से होने के कारण मैं हमेशा इस राज्य की सुंदरता को दुनिया को दिखाना चाहता थी और यह शो उत्तराखंड के स्वर्ग की एक झलक मात्र है। सीरीज के बारे में निर्देशक प्रेम मिस्त्री ने कहा, शो लाइफ हिल गई एक हार्टलैंड ड्रामा है, लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है। इसमें भाई-बहनों के बीच का भावनात्मक संबंध दिखाया गया है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा का हाल-बेहाल

अभिनेता अक्षय कुमार पिछले काफी समय से फिल्म सरफिरा को लेकर चर्चा में थे। उनकी इस फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, वहीं अक्षय के अभिनय की भी चारों ओर तारीफ हो रही है।बावजूद इसके सिनेमाघरों में उनकी इस फिल्म को दर्शक नसीब नहीं हुए। अक्षय पिछले काफी समय से एक अदद हिट को तरस रहे हैं। इस साल आई उनकी 350 करोड़ी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।ऐसे में सरफिरा से हर किसी को बड़ी उम्मीदें थीं। अक्षय ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, लेकिन सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद सरफिरा बॉक्स ऑफिस पर फुस्स नजर आई। सरफिरा महाराष्ट्र के अंदरूनी गांव में रहने वाला स्कूल मास्टर का बेटा वीर जनार्दन म्हात्रे (अक्षय कुमार) की कहानी है, जो कम लागत वाली एयरलाइंस शुरू करने के इरादे से एयरफोर्स की नौकरी से इस्तीफा दे चुका है। उसे 24 बैंक ऋण देने से इनकार कर चुके हैं। वीर अपने दो दोस्तों के साथ एयरलाइंस खोलने को लेकर प्रयासरत है। परेश रावल और राधिका मदान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिलम में परेश भी काफी तारीफ हो रही है।

त्रिशा कृष्णन की क्राइम-थ्रिलर सीरीज बृंदा का टीजर रिलीज

साउथ इंडियन फिल्मों में अपनी एक्टिंग के झंडे गाडऩे के बाद अब तृषा कृष्णन भी ओटीटी का रुख कर रही हैं। उनकी वेब सीरीज जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। जिसके बाद तृष्णा कृष्णन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी जो बड़े पर्दे के बिग स्टार होने के बाद ओटीटी में आए हैं। तृषा कृष्णन बृंदा नाम की वेब सीरीज के साथ ओटीटी पर दिखाई देंगी। ये एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बताई जा रही है। जिसके प्रोडक्शन का काम पिछले एक साल से जारी था। अब वेब सीरीज की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट हो चुका है।

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज की रिलीज डेट बताई है। उन्होंने इस बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है। जिसके मुताबिक तृषा कृष्णन की वेब सीरीज आने वाले 2 अगस्त को रिलीज होगी। ये वेब सीरीज तृषा कृष्णन के फैंस सोनी लिव पर देख सकते हैं। इसके साथ ही क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज के टीजर का वीडियो भी शेयर किया है। जिसे देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि वेब सीरीज एक क्राइम थ्रिलर है। जिसमें तृषा कृष्णनन पुलिस की वर्दी पहनी दिखाई देंगी। उनके अलावा बृंदा वेब सीरीज में साई कुमार, अमानी, इंद्रजीत सुकुमारन, रविंद्र विजय और दूसरे सपोर्टिंग एक्टर्स भी नजर आएंगे।

तृषा कृष्णन की ये पहली वेब सीरीज एक साथ बहुत सी भाषाओं में रिलीज होगी। इसे तेलुगू, कन्नड़, हिंदी, तमिल, मराठी, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज करने की तैयारी है। वेब सीरीज को डायरेक्ट किया है सूर्या मनोज वंगाला ने। अब तक मिली जानकारी के अनुसार वेब सीरीज आंध्र प्रदेश के एक केस से जुड़ी होगी। वेब सीरीज में कुछ लोक कथाओं से जुड़ा तडक़ा भी लगाया गया है। हालांकि ये कंफर्म नहीं है कि वेब सीरीज किसी रियल इंसिडेंट पर बेस्ड है या एक काल्पनिक क्राइम थ्रिलर है। वेब सीरीज की रिलीज डेट नजदीक आते आते उससे जुड़े और भी दिलचस्प खुलासे हो सकते हैं।

डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद

अमित भनोट

आज हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है।

अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है।

देश में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर पहलू को न सिर्फ छुआ है, बल्कि बदल कर रख दिया है। ऐसे में जब हम ऐसी खबरें सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों में लागू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का प्रदेश के शिक्षकों द्वारा यह कहते हुए विरोध हो रहा है कि यह 'अव्यावहारिक' है, तो निश्चिय ही आश्चर्य होता है। कोई बड़ी बात नहीं कि विरोध कर रहे शिक्षकों के मोबाइल में भुगतान करने के लिए 'भीम एप', मनोरंजन के लिए ओटीटी ऐप, खाना ऑर्डर करने के लिए 'डिलीवरी एप', खरीदारी के लिए भी विभिन्न ऐप पहले से ही मौजूद हों। ऐसे में सिर्फ डिजिटल अटेंडेंस का विरोध करना खुद ही व्यावहारिक नहीं लगता। योगी सरकार ने 8 जुलाई से सभी परिषदीय स्कूलों में मौजूद सभी 12 रजिस्टरों को डिजिटल करने का फैसला लिया है, और सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू करवाने का निर्देश दिया है। इन्हीं रजिस्टरों में शिक्षकों की अटेंडेंस का रजिस्टर भी शामिल है, जिसमें फेस रिकग्निशन के जरिए स्कूल परिसर में ही स्कूल खुलने और बंद होने के 15 मिनट पहले और बाद में हर शिक्षक को अपनी उपस्थिति टैब के जरिए डिजिटली दर्ज करानी है।

नई व्यवस्था के विरोध को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इसमें 30 मिनट का ग्रेस टाइम भी दे दिया है। इसी व्यवस्था का विरोध यह कहते हुए हो रहा है कि इसमें व्यावहारिक दिक्कतें हैं, वहीं बरसात में मौसम और आकस्मिक स्थिति में शिक्षक द्वारा इस व्यवस्था का अनुसरण करना संभव नहीं होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह विरोध सिर्फ इसलिए है कि इसमें कुछ दिक्कतें आएंगी या फिर किसी और चीज की पर्दादारी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। एक ओर तो प्रदेश के 133035 प्राथमिक, कंपोजिट और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी हमेशा ही बनी रहती है वहीं जो शिक्षक हैं भी, उनमें से कई, स्कूलों में नहीं आते हैं, या सिर्फ एक बार रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर, निकल लेने की फिराक में रहते हैं।

राज्य के शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में प्रदेश में कुल 453594 शिक्षक थे जबकि 126028 पद रिक्त हैं, ऐसे में यदि मौजूद शिक्षक भी विद्यालय न आएं तो शिक्षा की स्थिति समझी जा सकती है। यह सीधे-सीधे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करनी है तो सरकार को व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल रजिस्टर उसी दिशा में उठाया गया कदम जान पड़ता है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2,09,863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है।

निर्देशों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक आगमन उपस्थिति प्रात: 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। एक प्रश्न हमें और शिक्षकों को खुद से भी पूछना चाहिए। यदि पुरानी फिजिकल रजिस्टर वाली व्यवस्था दुरुस्त थी तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ऐसी क्यों है? 2023-24 में 2022-23 की तुलना में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों में छात्रों की संख्या में 24 लाख से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो चौंकाने वाला आंकड़ा है।

2023-24 में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 16784645 थी जो पिछली बार से 24 लाख कम है। यह तब है जब कोरोना काल में घटती आमदनी के चलते सरकारी स्कूलों में छात्रों का पंजीकरण खासा बढ़ा था। घटती संख्या के पीछे मुख्य कारण यह भी है कि शिक्षक पढ़ाने आते ही नहीं। ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था इसमें अपेक्षित सुधार ला सकती है। डिजिटल व्यवस्था के विरोध में एक बात और कही जा रही है कि यह ऐप कई बार शिक्षक की लोकेशन स्कूल से अलग कहीं और दिखाता है। डिजिटल दुनिया में शुरुआती समय में कई बार ऐसा होता है लेकिन यह कमी किसी भी ऐप में समय के साथ ठीक की जा सकती है, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था को अव्यावहारिक कह कर नकार देना कतई सही नहीं है। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दोनों स्तरों में लगातार सुधार जारी हैं, वहीं जरूरत के अनुसार नियमों में रियायतें भी दी जा रही हैं। आधे घंटे का 'ग्रेस' इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

अगर समग्र रूप से देखें तो किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था सीधे हमारे मानव संसाधन के भविष्य से जुड़ाव रखती है, और समय के साथ इसमें बदलाव विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम है। यदि प्रदेश का शिक्षा तंत्र और शिक्षक अपने ध्येय का बखूबी पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक असर सीधे प्रदेश की प्रोडक्टिविटी पर तो होगा ही, वहीं हम बेहतर नागरिकों का निर्माण भी करेंगे। इसे देखते हुए एक समाज के तौर पर हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लेना चालिए। हमें ऐसे शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करना है जहां स्कूल में हमारे बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं हों, शौचालयों की व्यवस्था हो, मिड डे मील के रूप में भोजन की उचित व्यवस्था हो, पक्का स्कूल हो, बैठने के लिए डेस्क हो, कॉपी-किताबें हों और सबसे महत्त्वपूर्ण उचित संख्या में शिक्षक हों, जो विद्यालय में समय से आएं और बच्चों को शिक्षित कर विकसित भारत का निर्माण करने में सहयोग करें जिसके लिए डिजिटल प्रक्रिया क्रांतिकारी कदम है। सभी शिक्षकों को आगे आकर डिजिटल प्रक्रिया का स्वागत करना चाहिए, वहीं प्रदेश सरकार को भी चाहिए कि शिक्षकों की मांग पर ध्यान दे और इस ऐप में सभी व्यावहारिक स्थितियों जैसे कनेक्टिविटी, टैगिंग, जीपीएस लोकेशन संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी बदलाव लगातार करे।

हाइपरटेंशन ले सकता है जान, ब्लड प्रेशर हाई होने से दिल ही नहीं इन अंगों को भी खतरा

किसी डॉक्टर को दिखाने जाने पर सबसे पहले ब्लड प्रेशर चेक किया जाता है, क्योंकि इससे आधी से ज्यादा बीमारियों का पता चल जाता है। हाई ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन की समस्या काफी तेजी से बढ़ रही है। डब्ल्यूएचओ, का अनुमान है कि भारत में हर चौथा इंसान हाई बीपी की चपेट में है। पिछले साल जून में एक डायबिटीज स्टडी में पता चला कि देश में 3 करोड़ से ज्यादा लोग हाई ब्लड प्रेशर की चपेट में हैं।

बहुत से लोगों को लगता है कि हाई बीपी सिर्फ हार्ट के लिए ही खतरनाक है लेकिन इससे कई अंगों को खतरा है। आइए जानते हैं हाई ब्लड प्रेशर से किन अंगों को सबसे ज्यादा खतरा है।।।

हाई बीपी से इन अंगों को खतरा

1। दिमाग को खतरा

ब्लड प्रेशर बढऩे से दिमाग की कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचने का खतरा हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत ज़्यादा बढऩे की वजह से दिमाग की कोशिकाएं फट भी सकती हैं, जिससे इंसान की मौत तक हो सकती है।

2। आंखों के नुकसान

डायबिटीज के मरीजों को हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत होने से आंखों की नसों को नुकसान पहुंचने का खतरा भी बढ़ जाता है। डायबिटीज के मरीजों को पहले से कई सारी दिक्कतें होने की वजह से इम्यून सिस्टम या रिकवरी सिस्टम कमजोर होता जाता है। हाई ब्लड प्रेशर की वजह से डायबिटीज से परेशान मरीजों की आंखों की नसें भी फट जाती हैं या अक्सर ठीक से काम करना बंद कर देती हैं।

3। किडनी फेल हो सकता है

ब्लड प्रेशर की वजह से किडनी की बीमारियां या फिर किडनी फेलियर भी हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जिन लोगों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है उनमें स्ट्रोक आने का खतरा भी ज़्यादा होता है। यह स्ट्रोक कई मामलों में जानलेवा भी हो जाता है क्योंकि इससे दिमाग तक ब्लड का फ़्लो भी प्रभावित हो सकता है।

नवजातों का समय से पहले जन्म

भगवती प्र. डोभाल

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि भारत में हर घंटे औसतन 345 नवजातों का समय से पहले जन्म हो रहा है यानी मां के गर्भ में शिशु का नौ महीने तक विकास होता है, तब जन्म लेता है, पर अब ऐसी स्थिति में बदलाव हो रहा है, जिससे 'प्री टर्म बर्थ' बढ़ रहे हैं।

देखें तो विश्व में हर दो सेकंड में एक नवजात का समय से पहले जन्म हो रहा है। और हर 40 सेकंड में इनमें से एक की मौत हो रही है। इस गंभीर समस्या को फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ता सामने लाए हैं। शोध के निष्कर्ष 'साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट' में प्रकाशित हुए हैं। नवजात शिशुओं का समय से पहले मां के गर्भ से बाहर आना जलवायु परिवर्तन के कारण माना जा रहा है।

जलवायु में आ रहे ऐसे बदलाव का सीधे तौर पर संबंध बच्चों की सेहत से जुड़ा है। तापमान में निरंतर बढ़ोतरी होने से न केवल प्री टर्म बर्थ हो रहे हैं, बल्कि शिशुओं की मृत्यु दर भी बढ़ रही है। ऐसी ही शेध जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं ने 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर किए। एक शोध के अनुसार, चार प्रतिशत से अधिक नवजातों की मृत्यु जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले अधिकतम और न्यूनतम तापमान से जुड़ी है।

ये निष्कर्ष 'नेचर कम्युनिकेशन' पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार पिछले 18 वर्षों में एक लाख 75 हजार नवजातों की मौत उन 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में चार फीसद में से औसतन 1.5 फीसद सालाना नवजात मौतें अत्यधिक तापमान से जुड़ी थीं। वहीं करीब तीन फीसद अत्यधिक ठंड से हुई थीं। इसके अलावा, 18 वर्ष की इस अवधि में नवजात शिशुओं में गर्मी से जुड़ी 32 फीसद मौतों के लिए जलवायु परिवर्तन जवाबदेह है। इसका मतलब है कि इस दौरान नवजात शिशुओं की गर्मी से जुड़ी कुल मौतों में से 1 लाख 75 हजार से अधिक मौतें जलवायु परिवर्तन के कारण मानी जा रही हैं।

शोध के आंकड़ों के अनुसार, पहले नवजात शिशुओं का जलवायु परिवर्तन की वजह से 2001 से 2019 के दौरान औसत सालाना तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। दूसरा नवजात शिशुओं की शरीर तापमान नियंत्रण की क्षमता अधूरी होती है। उनका शरीर गर्मी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से विकसित नहीं होता। उच्च चयापचय और पसीने की दर कम होने से उन्हें शरीर से अतिरिक्त गर्मी को निकालना कठिन हो जाता है। तीसरी स्थिति में शोधकर्ताओं का मानना है कि उप-सहारा अफ्रीकी देशों में अत्यधिक तापमान की वजह से नवजात शिशुओं की मौतों पर ग्लोबल वार्मिंग का सबसे अधिक असर देखा गया है।

चौथी स्थिति में पाकिस्तान, माली, सिएरा लियोन और नाइजीरिया में तापमान से जुड़ी नवजात शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक थीं। इनमें एक लाख जीवित जन्मों में से 160 से अधिक मौत बढ़े हुए तापमान से हुई। 2019 में विश्व भर में 24 लाख नवजात शिशु मौतें हुई। इनमें से 90 फीसद से अधिक नवजात मृत्यु निम्न और मध्यम आय वाले देशों विशेषकर उपसहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हुई। मौसम परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है, पर उस परिवर्तन में हम तेजी से बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। मनुष्य की इच्छाएं तेजी से बढ़ रही हैं और परिवर्तित भी हो रही हैं। इस परिवर्तन में तेजी लाने का कारण हमारी तकनीकी सहायक हो रही हैं। तकनीकी का विकास मानव मस्तिष्क की खोजी प्रवृति है। इस खोज में हम भूल रहे हैं कि प्रकृति का दोहन एकदम नहीं, बल्कि धीरे-धीरे करना होगा। वैज्ञानिक उपलब्धियों से तो हम दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इस दौड़ में प्रकृति के साथ संतुलन भी करना होगा। हम इस अच्छी तरह से जानते हैं कि पृथ्वी पर वनस्पतियों और वृक्षों का संतुलित अनुपात में होना आवश्यक है। वन धरती की प्यास बुझाते हैं, लेकिन वनों की हमने कटाई इस तरह से कर दी है कि कार्बन डाइआक्साइड और आक्सीजन का संतुलन ही हम मिटाने पर तुले हैं। मानसून पर ही यदि हम एक दृष्टि डालें, तो पता चलेगा जिन पर्वतों पर वृक्ष और वन होते थे, वे समाप्ति की ओर हैं। पहाड़ों के बड़े वृक्ष भूमि का कटाव नहीं होने देते थे। उनकी जड़ें मजबूती से पहाड़ों की मिट्टी में धंसकर वप्रा के जल को एकदम मैदानों की तरफ नहीं आने देती थीं, जिसकी वजह से नदियों में जलस्तर एक ही बरसात से खतरे से ऊपर नहीं होता था। वह स्थिति आज नहीं रही है। वनों से ऐसे पेड़, जो मैदानी भागों की सुरक्षा कवच का काम करते थे, कट चुके हैं। संतुलित वातावरण कहीं पर नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण जिन नवजात पर मृत्यु का कहर ढह रहा है, उसको रोक पाने में हम अक्षम हैं। सरकार कोई भी आए और जाए, जब तक नियोजित विकास का रास्ता नहीं अपनाएंगे तब तक प्राकृतिक आपदाएं मुंह बायें खड़ी रहेंगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

खाली पेट लौकी का जूस क्यों पीते हैं लोग ? एक नहीं कई हैं फायदे

लौकी का जूस पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासकर जब इसे खाली पेट पिया जाए। यह आदत आपको कई तरह से लाभ पहुंचा सकती है। लौकी का जूस इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जिससे बीमारियों से बचाव होता है। इसे रोज सुबह पीकर आप कई तरह के फायदे पा सकते हैं। आइए जानते हैं यहां...

वजन कम करने में मदद

लौकी का जूस वजन कम करने में मदद करता है। इसमें बहुत कम कैलोरी और ज्यादा फाइबर होता है, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होता है और भूख कम लगती है। इसे रोज सुबह खाली पेट पीने से वजन कम करने में आसानी होती है। यह एक सस्ता और असरदार तरीका है हेल्दी रहने का।

पेट की समस्याओं से राहत

खाली पेट लौकी का जूस पीने से पाचन तंत्र बेहतर होता है। यह कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। रोज सुबह इसे पीने से पेट की सफाई होती है और पाचन ठीक रहता है। यह एक सस्ता और आसान तरीका है पेट की समस्याओं से बचने का। लौकी का जूस पाचन को हेल्दी रखता है और आपको दिनभर ताजगी महसूस होती है।

हाइड्रेशन के लिए अच्छा

लौकी में 90% पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है। खासकर गर्मियों में यह बहुत फायदेमंद होता है। लौकी का जूस पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह हेल्थ के लिए भी अच्छा है।

त्वचा की चमक बढ़ाए

लौकी का जूस त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं, जो त्वचा को चमकदार और हेल्दी रहते है। रोज सुबह इसे पीने से त्वचा में निखार आता है और आप ताजगी महसूस करते हैं। यह आपकी खूबसूरती बढ़ाता है।

दिल के लिए फायदेमंद

लौकी का जूस कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इसे रोज सुबह पीने से दिल हेल्दी रहता है और आप फिट महसूस करते हैं। यह एक सरल और नेचुरल तरीका है दिल की देखभाल का।

मूत्र समस्याओं में राहत

लौकी का जूस मूत्र संबंधी समस्याओं से राहत देता है। यह किडनी को हेल्दी रखता है और संक्रमण से बचाता है। इसे रोज सुबह पीने से मूत्र प्रणाली सही रहती है और आप तंदुरुस्त महसूस करते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए

लौकी का जूस पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। यह शरीर को बीमारियों से लडने की क्षमता देता है। रोज सुबह इसे पीने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और आप कम बीमार पड़ते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

कैसे करें लौकी का जूस तैयार

* एक ताजा और हरी लौकी लें।
* उसे अच्छी तरह से धोकर छील लें।
* छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।
* मिक्सर में डालकर थोड़ा पानी मिलाएं और पीस लें।
* जूस को छानकर पियें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -153

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

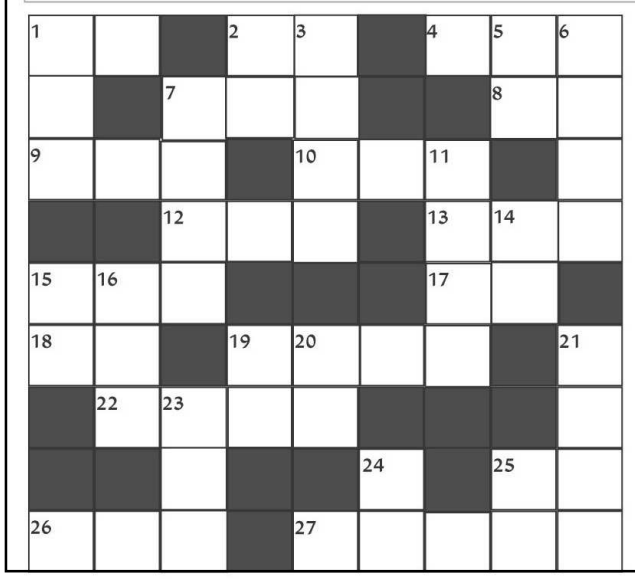

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 152 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

बैड न्यूज के आते ही सरफिरा हुई पस्त!

अक्षय कुमार स्टारर सरफिरा साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक थी. फिल्म के ट्रेलर के बाद से ही इसे लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट थी अच्छे बज के बीच ये फिल्म पिछले शुक्रवार यानी 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. दर्शकों और क्रिटिक्स से समान रूप से पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बावजूद, फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में फेल साबित हुई है. फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट बेहद निराशाजनक है. चलिए यहां जानते हैं सरफिरा ने रिलीज के 8वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

पिछले काफी समय से बॉक्स ऑफिस पर असफलता का मुंह देख रहे खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की सरफिरा ने भी बेहद निराश किया है. फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें थीं हालांकि सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद ये दर्शकों की कसौट पर खरी नहीं उतर पाई और इसी के साथ फिल्म कमाई के मामले में भी पिछड़ गई. सरफिरा को रिलीज हुए महज आठ दिन हुए हैं और इसका बॉक्स ऑफिस से पत्ता साफ होता हुआ नजर आ रहा है.

फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने रिलीज के पहले दिन 2.5 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन सरफिरा ने 4.25 करोड़ की कमाई की थी. तीसरे दिन 5.25 करोड़, चौथे दिन 1.45 करोड़, पांचवें दिन 1.95 करोड़, छठे दिन 2.15 करोड़ और सातवें दिन 1.2 करोड़ की कमाई की. इसी के बाद सरफिरा ने पहले हफ्ते में 18.75 करोड़ का कलेक्शन किया वहीं अब ये फिल्म दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है और इसके दूसरे शुक्रवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक सरफिरा ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे महज 40 लाख रुपये कमाए. इसी के साथ सरफिरा का आठ दिनों का कुल कलेक्शन अब 19.15 करोड़ रुपये हो गया है.

बता दें कि सरफिरा का सिनेमाघरों में कमल हासन स्टारर इंडियन 2 से क्लैश हुआ था. वहीं इस फिल्म को पिछले तीन हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी से भी कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा था. जिसके चलतेअक्षय कुमार स्टारर फिल्म चंद करोड़ ही कमा पा रही थी. वहीं इस शुक्रवार सिनेमाघरों में कॉमेडी से भरपूर विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज ने दस्तक दी है और इस फिल्म ने आते ही सरफिरा को धो दिया है. बैड न्यूज के रिलीज होते ही सरफिरा की कमाई लाखों में सिमट गई है. ऐसे में महज आठ दिनों में ही सरफिरा का बॉक्स ऑफिस पर से पत्ता साफ होता नजर आ रहा है.

सुधा कोंगारा द्वारा निर्देशित, सरफिरा साल 2020 में आई तमिल ब्लॉकबस्टर सोरारई पोटरू का हिंदी रीमेक है. ओरिजनल फिल्म में सूर्या और अपर्णा बालमुरली ने मुख्य भूमिका निभाई थी वहीं सरफिरामें अक्षय कुमार, राधिका मदान और परेश रावल जैसे कलाकारों ने अहम रोल निभाए हैं.

अगर सोमवार को 50 से कम की गिरावट आती है तो विक्की कौशल की फिल्म का पहले हफ्ते का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन अच्छा नहीं हो सकता है. हालांकि इसके बावजूद बैड न्यूज ने विक्की कौशल को एक ऐसा स्टार बना दिया है जो अपनी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नतीजे दिला सकता है. बैड न्यूज ने साल की छठी सबसे अच्छी हिंदी ओपनिंग हासिल की है. बैड न्यूज के बाद विक्की कौशल की छावा से भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है. विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया ने फिल्म में खास रोल प्ले किया है. जबकि अनन्या पांडे और नेहा शर्मा ने फिल्म में कैमियो किया है.

वहीं, 27 जून को रिलीज हुई नाग अश्विन की डायरेक्टोरियल कल्कि 2898 एडी इतने दिन बाद भी सिनेमाघरों में अपनी धाक जमाए हुई है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन अच्छा कलेक्शन किया।

कल्कि फिल्म की कमाई में बाद के दिनों में कुछ गिरावट भी देखने को मिली, लेकिन तीन हफ्ते के बाद भी मूवी का क्रेज कम नहीं हुआ। प्रभास , दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया है। अश्वत्थामा के किरदार में अमिताभ बच्चन जिस तरह रुपहले पर्दे पर चमके हैं, उसे देख हर कोई उनकी तारीफ ही कर रहा है।

बैड न्यूज फिल्म की रिलीज से पहले तक कल्कि फिल्म ने धुआंधार कमाई की। माना जा रहा था कि बैड न्यूज की रिलीज का असर कल्कि 2898 एडी पर देखने को मिल सकता है, लेकिन फिल्म के शनिवार के जो आंकड़े सामने आए हैं, उसे देख लगता है कि कल्कि का क्रेज इतनी जल्दी खत्म नहीं होने वाला। शुक्रवार को सभी भाषाओं में फिल्म ने 2.9 करोड़ का कारोबार किया। वहीं, शनिवार के कलेक्शन में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, कल्कि फिल्म को एक बार फिर वीकेंड का फायदा मिला है। शनिवार को मूवी ने सभी भाषाओं में 5.75 करोड़ का बिजनेस किया। इससे फिल्म का टोटल डोमेस्टिक कलेक्शन 608.10 करोड़ हो गया है। हालांकि, यह अनुमानित आंकड़े हैं। इनमें फेरबदल संभव है। जागरण इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं करता।

कल्कि फिल्म डोमेस्टिक कलेक्शन में 600 करोड़ से आगे निकल चुकी है। यानी फिल्म अपने बजट से ज्यादा की कमाई कर चुकी है, जो कि 600 करोड़ ही है। वहीं, ग्लोबल कलेक्शन में ये मूवी कुछ दिन पहले ही 1000 करोड़ का आंकड़ा क्रॉस कर गई। बता दें कि कल्कि 2898 एडी मायथोलॉजी और साइंस फिक्शन के कॉम्बिनेशन की फिल्म है। पहले पार्ट में कमल हासन का छोटा सा रोल दिखाया गया है। जबकि, दूसरे पार्ट में उनके नेगेटिव किरदार को विस्तार से दिखाया जाएगा।

शमा सिकंदर ने व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में शेयर की बोल्ड फोटो

एक्ट्रेस शमा सिकंदर अक्सर अपने लुक और ग्लैमरस अदाओं के चलते चर्चा में रहती हैं। वह अपनी एक्टिंग से ज्यादा अदाओं और बोल्डनेस को लेकर सुर्खियों बटोरती है। इसी राह में उन्होंने एक फोटो ऐसा शेयर किया है जिसपर फैंस की नजरें थमना तो बनती है। साथ ही फैंस का रिएक्शन भी जमकर सामने आ रहा है। चलिए शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटो दिखाते हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया लुक शेयर किया है। शमा सिकंदर ने अपने इंस्टाग्राम पर ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए अपनी एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में एक्ट्रेस व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। ये लुक उनपर काफी जच रहा है।

शमा सिकंदर के हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने बालों को पीछे की तरफ बांधा हुआ है। मेकअप की बात करें तो उन्होंने अपने लुक के लिए ग्लोसी मेकअप को चुना है। इस पूरे लुक को उन्होंने जिस तरह कैरी किया है वह कमाल है। उनका कॉन्फिडेंस चार नहीं चालीस चांद लगा रहा है।

एक्ट्रेस की यह फोटो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस उनके इस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। 41 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने खुद को काफी फिट रखा है। अदाओं के मामले में तो वह किसी भी एक्ट्रेस को टक्कर दे सकती हैं।

शमा ने टीवी से लेकर, बॉलीवुड और म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। उन्हें सोनी टीवी के शो ये मेरी लाइफ है से लोकप्रियता हासिल मिली। वह बाल वीर और मैया- स्लेव ऑफ हर डिजायर्स सहित कई शो में काम कर चुकी हैं।

वह कई फिल्मों का हिस्सा भी रह चुकी हैं, जिसमें प्रेम अगन, मन, ये मोहब्बत है, अंश द डेडली पार्ट, बस्ती, धूम धड़ाका, कॉन्ट्रैक्ट और बायपास रोड शामिल हैं।

वीकेंड पर गर्दा उड़ाने के बाद थर्ड मंडे घटी कल्कि की कमाई

प्रभास स्टार साइंस फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' बॉक्स ऑफिस पर जमकर गरज रही है. फिल्म का ताबड़तोड़ कलेक्शन हैरान कर देने वाला है. महाबंपर ओपनिंग करने के साथ 'कल्कि 2898 एडी' ने तीसरे वीकेंड पर भी छप्परफाड़ कमाई की. फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनी हुई है.

'कल्कि 2898 एडी' को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है और जमकर कमाई भी कर रही है. ये फिल्म ना केवल साल 2024 की सबसे ज्यादा नोट छापने वाली फिल्म बन चुकी है बल्कि इसने शाहरुख खान की 'पठान' और रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन को भी मात दे दी है. यहां तक कि 'कल्कि 2898 एडी' के कहर के आगे लेटेस्ट रिलीज अक्षय कुमार की सरफिरा और कमल हासन की इंडियन 2 भी नहीं टिक पाई हैं. वहीं प्रभास की फिल्म पर तीसरे वीकेंड पर भी नोटों की बारिश हुई है लेकिन तीसरे सोमवार फिल्म का कलेक्शन का ग्राफ काफी गिर गया है.

फिल्म की कमाई की बात करें तो पहले दिन 95.3 करोड़ से महाबंपर ओपनिंग करने वाली 'कल्कि 2898 एडी' की पहले हफ्ते की कमाई 414.85 करोड़ रही. दूसरे हफ्ते फिल्म ने 128.5 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे फ्राइडे फिल्म ने 6 करोड़, तीसरे शनिवार 14.35 करोड़ और तीसरे रविवार 16.45 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे सोमवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंडे को 4.3 करोड़ की कमाई की है. जिसमें तेलुगु में फिल्म ने 1.35 करोड़, तमिल में 0.15 करोड़, हिंदी में 2.5 करोड़, कन्नड़ में 0.05 करोड और मलयालम में 0.25 करोड़ की कमाई की है. इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 19 दिनों का कुल कलेक्शन अब 584.45 करोड़ रुपये हो गया है. जिसमें फिल्म ने तेलुगु में 267.1 करोड़, तमिल में 33.3 करोड़, हिंदी में 257.1 करोड़, कन्नड़ में 5.05 करोड़ और मलयालम में 21.9 करोड़ की कमाई की है.

'कल्कि 2898 एडी' ने तीसरे वीकेंड पर छप्परफाड़ कमाई की थी हालांकि तीसरे मंडे फिल्म की कमाई बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई और ये मुश्किल से 3 करोड़ की कमाई कर पाई. वहीं अब फिल्म का टारगेट शाहरुख खान की जवान के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ रुपये है. अब देखने वाली बात होगी कि क्या 'कल्कि 2898 एडी' घटती कमाई के साथ 'जवान' को धूल चटा पाएगी या नहीं. फिलहाल हर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई हैं. बता दें कि 'कल्कि 2898 एडी' का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है. फिल्म में प्रभास के अलावा दीपिका पाकुदोण, कमल हासन, दिशा पटानी और अमिताभ बच्चन सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म 600 करोड़ के बजट में बनी फिल्म है और इसे 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था.(आरएनएस)

विश्वसनीय बने उच्च शिक्षा एवं परीक्षा तंत्र

प्रो शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित

परीक्षाओं में धांधली ने 'एक राष्ट्र, एक परीक्षा' की सोच पर पुनर्विचार के लिए विवश कर दिया है। हमें एकताबद्ध देश चाहिए, एक समान देश नहीं। एकरूपता विविधता, भिन्नता, लोकतंत्र और असहमति की अनुमति नहीं देती। प्रश्नपत्रों के लीक होने की घटनाओं ने भारत को ऐसे निम्न स्तर पर ला खड़ा किया है, जहां परीक्षाओं एवं संस्थानों की विश्वसनीयता खतरे में है। यह एक चेतावनी है कि परीक्षा प्रणाली में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। स्तर बनाये रखना राष्ट्रीय एजेंसियों की ही नहीं, बल्कि सबकी जवाबदेही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता और गुणवत्ता साथ चलते हैं। विकसित भारत के विचार को साकार करने में भारतीय शिक्षा तंत्र आधारभूत भूमिका निभा सकता है। यह तकनीकी हड़बड़ी तथा कुछ लोगों की मनमानी की जगह नहीं बननी चाहिए।

इसलिए सोच-समझकर संतुलित दृष्टि से इस मसले पर विचार होना चाहिए ताकि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता बहाल हो सके। जरूरी नहीं है कि तकनीकी और सस्ते समाधान बेहतर भी हों। तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता और टिक लगाने जैसे परीक्षा के तरीके कुछ लोगों के निहित स्वार्थों को पूरा करने में मददगार होते हैं। अधपके विचार आकर्षक लग सकते हैं, पर अंततः हमें ऐसी प्रतिक्रियाओं से सावधान रहना चाहिए, जो छात्रों, परिवारों और विषयों के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इंटरनेट के इस युग में पर्चा लीक होना स्थानीय घटना नहीं होती, इसका प्रसार तुरंत व्यापक स्तर पर हो जाता है। टिक मार्क वाले पर्चों और उत्तरों को हैक करना बहुत आसान है। परीक्षा माफिया के अपराधियों की कोई विचारधारा नहीं है। परीक्षा की समरूपता खतरनाक है क्योंकि यह सरकार के लिए आपदा हो सकती है और इससे करोड़ों छात्र और उनके परिजन तबाह हो सकते हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नेतृत्व में दूरदृष्टि एवं जवाबदेही के अभाव ने इस प्रकरण को और भी त्रासद बना दिया है। गड़बड़ियों से लगातार इनकार करने, गलत दिशा चुनने और बरगलाने वाले बयान देने से देश गुस्से में है। अखिल भारतीय परीक्षा कराना जटिल कार्य अवश्य है, पर एनटीए और यूजीसी का नेतृत्व तमाम संसाधनों के बावजूद चुनौतियों से आगाह क्यों नहीं था, समुचित उपाय क्यों नहीं किये गये? क्या ऐसा पैसा बचाने के लिए किया गया? परिणाम आने तक गड़बड़ियों की भनक तक क्यों नहीं लग पायी? समझना होगा कि शिक्षा में विवेक और समावेशी दृष्टि से निवेश होना चाहिए। हड़बड़ी समस्या को और बिगाड़ेगी। बहरहाल, सरकार का रवैया निर्णायक रहा है।

शिक्षा मंत्री ने मामले की 'नैतिक जिम्मेदारी' ली है और एनटीए के प्रभारी अधिकारी को हटा दिया गया है। नीट परीक्षा में धांधली की जांच सीबीआइ कर रही है तथा यूजीसी-नेट की गड़बड़ी की जांच के आदेश भी दे दिये गये हैं। परीक्षाओं में स्वच्छता और पारदर्शिता तथा उनके समुचित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की एक उच्च-स्तरीय समिति गठित की गयी है, जो दो माह के भीतर अपने सुझाव पेश करेगी। कदाचार रोकने के कानून को भी 21 जून से लागू कर दिया गया है। इसमें दोषियों के लिए कठोर दंड का प्रावधान है। सरकार ने स्पष्ट इंगित कर दिया है कि परीक्षाओं में किसी भी तरह के कदाचार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

सरकार द्वारा उठाये गये कदम सराहनीय हैं, पर कुछ अन्य उपायों को भी अपनाने की आवश्यकता है ताकि भारतीय शिक्षा प्रणाली में विश्वसनीयता फिर से बहाल हो सके। हमें छात्रों से अपनी अपेक्षाओं के बारे में नयी समझ विकसित करने की आवश्यकता है। इसका मतलब यह है कि हमें परीक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार करना चाहिए। तथ्य बनाम मूल्य की बहस का निपटारा अस्सी के दशक में ही हो चुका है। फिर भी, हम अभी भी बहु-वैकल्पिक प्रश्न व्यवस्था जैसे परिमाणात्मक उपायों पर बहुत अधिक निर्भर हैं, मानो वे चमत्कारिक हों। गुणात्मक कौशल अभी भी आवश्यक हैं क्योंकि वास्तविक जीवन में समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए इंजीनियरों और डॉक्टरों को अपनी गुणात्मक क्षमताओं का इस्तेमाल करना पड़ता है।

जटिल मानवीय संदर्भों में मूल्यों की बड़ी भूमिका है, जिन्हें पूर्वाग्रह कहकर खारिज किया जा सकता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज की परीक्षाएं बस सूचना को रटने और प्रस्तुत करने की क्षमता की जांच तक सीमित रह गयी हैं तथा वे अन्य आवश्यक कौशलों की अनदेखी करती हैं। हमें आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच, पाठन और लेखन जैसे कौशलों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सोच और लेखन में स्पष्टता जैसे कौशलों की परीक्षा होनी चाहिए तथा अध्यापन इनके विकास पर केंद्रित होना चाहिए।

एकता एक वांछनीय गुण है, जैसे एक राष्ट्रीय पहचान गढ़ना। लेकिन हर जगह समरूपता पर जोर देना नियंत्रण की मानसिकता का एक रूप है। जैसा कि हम भारतीय ज्ञान परंपरा से जानते हैं, विविधता और परिवर्तन जीवन के विधान हैं तथा छोटी चीज भी सुंदर होती है। शायद अब वह समय आ गया है कि हम क्षेत्रवार या समूहवार परीक्षाओं पर विचार करें, जिनमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न भी हों और विश्लेषणात्मक भी। इससे पर्चों के लीक होने या हैक होने की आशंका कम हो सकती है। साथ ही, छात्रों की विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक क्षमता के परीक्षण का भी माध्यम मिलेगा। कदाचार के जोखिम को कम करने के लिए कई तरह के प्रश्नपत्र बनाये जा सकते हैं। नेतृत्व के स्तर पर हमें नये तंत्र और लोगों की आवश्यकता है, जिनमें सहृदयता हो, दूरदृष्टि हो, जिनके विचारों में खुलापन हो।

एक पुरानी कहावत है- 'अगर आप मूंगफली देंगे, तो आपको बंदर ही मिलेंगे।' यह बात शिक्षा पर भी लागू होती है। अगर हमारे संस्थान अपने लोगों पर समुचित खर्च नहीं करेंगे, तो उच्च गुणवत्ता से युक्त कार्यबल उपलब्ध नहीं हो सकेगा। देश में शिक्षा को लेकर जो समझ है, उस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। शिक्षा का संबंध केवल रोजगार से नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक बदलाव से भी है। इसलिए शिक्षा में निवेश बढ़ना चाहिए। मौजूदा संकट गलतियों के परीक्षण तथा एनटीए और यूजीसी के भरोसे को बहाल करने का एक अवसर होना चाहिए।

जिन केंद्रों पर शक है, उनकी ठीक से जांच होनी चाहिए। एनटीए और यूजीसी में पारदर्शिता के अभाव को तुरंत ठीक किया जाना चाहिए। शिक्षा नीतियां तब तक सफल नहीं हो सकती हैं, जब तक उनमें ईमानदारी के साथ-साथ अन्वेषण और समावेशी भाव, विशिष्टता के साथ-साथ सहृदयता एवं समता तथा विविधता के साथ-साथ लोकतंत्र, पारदर्शिता और जवाबदेही न हो।

खटकती है आंखों में जिम्मेदार आवारगी

अंशुमाली रस्तोगी

मेरे शहर में जब से 'आवारा कुत्तों' को पकड़े जाने की खबर फैली है, मैं ज्यादातर समय घर पर ही रहता हूं। नौकरी से लंबा अवकाश लेकर, घर के काम-काज के लिए एक नौकर रख लिया है। दिनभर यों ही घर में पड़े रहने से सबसे अधिक दिक्कत बीवी को है। उसे मेरा घर में रहना अखरता है। या तो मैं दिनभर लिखता हूं या फिर सोता।

बीवी जब-तब मुझ पर सीधा होने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देती। कल ही कह रही थी- 'कितनी दफा तुम्हें समझाया कि आवारा कुत्तों की संगत न किया करो लेकिन तुमने मेरी एक न सुनी। हर वक्त उन्हीं के आगे-पीछे टहलते रहते हो। उन्हें पाल रहे हो। खाना खिला रहे हो। मल्लम-पट्टी कर रहे हो। अब भुगतो।' बीवी से बहस बेमतलब है, इसलिए नहीं करता। अरे, आवारा कुत्तों के साथ रहने से मैं कोई आवारा थोड़े न हो जाऊंगा। जबकि आवारा कुत्ते पालतू कुत्तों से कहीं अधिक वफादार और जहीन होते हैं। आप यकीन नहीं करेंगे, मोहल्ले का हर आवारा कुत्ता मुझे मेरी शक्ल से पहचानता है।

मेरा हमेशा से मानना रहा है कि आवारा होने से कुछ नहीं होता। दुनिया में ऐसा कौन है जो आवारा नहीं। क्या आवाराओं को जीने का हक नहीं? दुनिया जितना जुल्म आवारा कुत्तों पर करती है, उतना किसी पर नहीं। बेचारे न घर के रहते हैं न घाट के, जहां ठिकाना मिल गया वहीं टिक लिए। फिर भी, लोगों को पेट दर्द रहता है कि वे यहां-वहां क्यों बैठे हैं। फुटपाथ ही उनका घर-परिवार है। आवारा कुत्तों से मेरी दोस्ती अब से नहीं, बचपन से है। तब भी मैं गली-मोहल्ले के आवारा कुत्तों को उठाकर घर ले आया करता था। उन्हीं के साथ खाता, पीता, सोता था।

कभी आवारा कुत्तों की संगत करके देखिए, मेरा दावा है, समझदारों की संगत भूल जाएंगे। समझदार तो इस ऐंठ में ही ऐंठा रहता है कि वो समझदार है। जबकि आवारा के साथ ऐसा कोई सीन नहीं। वो आवारा है तो है। अब कर लो उसका जो करना है। नगर निगम वाले बड़ा जुल्म करते हैं आवारा कुत्तों को पकड़कर। क्या मिलता है इन्हें? ये आवारा कुत्ते ही होते हैं, जो पूरी रात जागकर शहर और गली-मोहल्लों की हिफाजत करते हैं। शहर की सुरक्षा का आधे से ज्यादा दारोमदार इन्हीं पर रहता है। जाने कितने ही चोरों को अब तक ये पकड़वा चुके हैं। ये कोई जन्मजात आवारा थोड़े ही न थे। इन्हें तो आवारा बनाया इस जालिम समाज ने।

कृतिका मलिक ने नॉमिनेशन पर नेजी को कहा बेवकूफ

बिग बॉस ओटीटी 3 में रैपर नेजी ने हाउसमेट कृतिका मलिक को अनएक्सपेक्टेड नॉमिनेशन टास्क में नॉमिनेट किया, इसके बाद कृतिका नेजी पर अपनी भड़ास निकालती नजर आईं। यह सब शो के आगामी एपिसोड में नजर आएगा। चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में कैप्शन दिया गया है, अनएक्सपेक्टेड नामांकन? नेजी ने क्यों किया कृतिका को नॉमिनेट?

प्रोमो की शुरुआत में कृतिका रैपर नेजी को बेवकूफ कहती नजर आती हैं। कृतिका ने कहा, 11 लोगों के बीच में जो सबसे बेवकूफ आदमी है, वो यह (नेजी) है। उन्होंने कहा- थोड़ी देर में कहेंगे, सॉरी कृतिका जी मुझे उस समय जो लगा मैंने कर दिया।

इस पर नेजी ने कहा कि वह सोच रहे थे कि उन्हें वही करना चाहिए जो वह काफी समय से करना चाहते थे। कृतिका ने कहा, यहां मैं नेजी भाई का इतना ध्यान रखती हूं, यहां किसी लडक़े का नहीं रखा। कृतिका ने आगे कहा कि आज के बाद बोलना मत की कॉफी या चाय दे दो। इस पर नेजी कहते नजर आते है कि आपने इस वजह से कनेक्शन बनाया था? इस बीच कृतिका के पति अरमान मलिक इस लड़ाई में कूद पड़ते हैं। अरमान ने कहा कि पूरा घर जानता है कि कितना काम करने वाला है तू, अपने में बदलाव ला, तू किसी के लिए कुछ नहीं करता।

ट्रंप को जीवनदान भगवान की देन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला निश्चित रूप से चिंता का सबब है। 40 दिन पूर्व राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले ट्रंप पर एक चुनावी सभा में जानलेवा हमले से हर कोई हलकान है।

वाकई ट्रंप को जो जीवनदान मिला है, वह भगवान की देन ही कही जाएगी। खुद ट्रंप ऐसा मानते हैं। दरअसल, अमेरिका में बंदूक संस्कृति की वजह से खून-खराबे का ऐसा माहौल बना है। कहते हैं कि वहां लोगों से ज्यादा बंदूकें हैं।

हालांकि इस हमले को सियासी चश्मे से भी देखा और परखा जा रहा है। कई जानकार तो यहां तक दावा करने लगे हैं कि इस हमले के बाद ट्रंप की जीत की राह काफी आसान हो गई है। बहरहाल, ये सभी कयासबाजी मुकम्मल जांच के बाद ही साफ हो सकेंगी कि इसके पीछे किसकी साजिश है।

प्रथम दृष्टया जो कुछ सार्वजनिक हुआ है, उसमें हमलावर की ट्रंप के प्रति नासंदगी की बात है।

चुनाव के ठीक पहले इस तरह के हमले को लेकर कई किंतु-परंतु होते हैं। यह लगभग हर देश में होता है। अमेरिका में भी इसे लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं, मगर एक बात तो हर किसी को अपने जेहन में रखनी होगी कि हिंसा और खून बहाना किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए श्राप से कम नहीं। इस नाते किसी को भी इस मसले पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए।

विश्व के सबसे ताकतवर मुल्क के मुखिया के पद पर रहे शख्स को जान से मारने की नीयत से हमला करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडन को तुरंत पूरे प्रकरण की ठोस जांच करानी चाहिए और इस बात का भरोसा विपक्षी दलों समेत देश की जनता को दिलाना चाहिए कि ऐसे कृत्य नाकाबिले बर्दाश्त हैं। इस बात की भी जांच पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए कि उनकी सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंट से कहां चूक हुई।

निश्चित तौर पर ट्रंप पर हमला सामान्य घटना नहीं है। इससे अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की पूरी दिशा ही बदल सकती है। ट्रंप फिलहाल बाइडन से प्रचार में बढ़त बनाए हुए हैं। बाइडन की उम्र और उम्र संबंधी दुारियों की वजह से रिपब्लिन पार्टी फिलवक्त कमजोर दिखती है।

अगर ट्रंप पर हमले की घटना आम अमेरिकियों के दिलो-दिमाग पर गहरे तक असर डालेगी तो वहां सत्ता में बदलाव हो सकता है। देखना है, रिपब्लिकन पार्टी पूरी घटना से खुद को कैसे उबार पाती है? आने वाला वक्त वाकई दिलचस्प होने वाला है।(आरएनएस)

हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चंपावत। हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस व एसओजी टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना लोहाघाट में हत्या के प्रयास मामले में दर्ज मुकदमें में जगदीश जोशी जो 24 मार्च 2024 से लगातार फरार चल रहा था और अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए स्वयं को छिपा रहा था। जिसके खिलाफ न्यायालय द्वारा गैर जमानतीय वारंट भी जारी किया गया था। जिस कारण पुलिस के आलाधिकारियों ने आरोपी की गिरफ्तारी हेतू एसओजी व थाना लोहाघाअ पुलिस की एक टीम का गठन किया गया। जिन्होने अथक प्रयासों से बीती शाम एक सूचना के बाद आरोपी जगदीश चंद्र जोशी पुत्र उर्वादत्त जोशी निवासी मरोड़ा खान ग्राम सभा रायकोट कुंवर थाना लोहाघाट जनपद चंपावत उम्र लगभग 40 वर्ष को ग्राम छीनीगोठ थाना टनकपुर जनपद चंपावत क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने आईएसबीटी के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने दोनों के कब्जे से 495 पैक शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम राकेश कुमार पुत्र मामचंद निवासी सिडकुल हरिद्वार व नरजीत सिंह पुत्र सत्य सिंह निवासी बिहारीगढ सहारनपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। मकान का ताला तोड वहां से जेवरात व नगदी चोरी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणपति गार्डन भानियावाला निवासी श्रीमती उर्मिला ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने घर की अलमारी का ताला तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हल्द्वानी में अतिक्रमण हटाने पर लगी... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

योजना तैयार की जा रही है। इसका कोई समुचित जवाब न दिए जाने पर अदालत ने कहा कि अदालत निर्दयी नहीं हो सकती है अदालत ने अतिक्रमण हटाने के आदेश पर तत्काल रोक लगाते हुए कहा है कि वह चार सप्ताह के अंतराल में अदालत को यह बताएं कि जिन लोगों को हटाया जा रहा है उनके पुनर्वास का क्या प्लान है? इस मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि रेलवे को यहां स्टेशन के विस्तारीकरण और वंदे भारत ट्रेन के संचालन के लिए इस जमीन की जरूरत है। लेकिन इस ट्रैक के आस-पास बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं।

धामों की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ नहीं ... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उल्लेखनीय है कि सीएम धामी द्वारा दिल्ली में केदारनाथ धाम मंदिर के लिए किये गये भूमि पूजन के बाद इस मुद्दे का विरोध शुरू हुआ था हालांकि सरकार ने अब इससे अपने कदम पीछे खींच लिए हैं तथा ट्रस्ट ने भी इससे इन्कार कर दिया है लेकिन कांग्रेस इसे लेकर अभी भी उग्र रूख अख्तियार किए हुए हैं। कांग्रेस की इस केदारधाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा में बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए हैं यात्रा 5 अगस्त को केदारनाथ धाम में समाप्त होगी।

पर्यावरण सूचकांक लागू होने पर डा. अनिल जोशी को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। पर्यावरण सूचकांक समाज और सरकार के सामने रखने और सरकार से उसे लागू कराने की पैरवी के मुख्य सूत्रधार डॉ. अनिल प्रकाश जोशी को सम्मानित किया।

आज यहां पर्यावरण सूचकांक समाज और सरकार के सामने रखने और सरकार से उसे लागू कराने की पैरवी के मुख्य सूत्रधार पद्मभूषण डा. अनिल प्रकाश जोशी को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए जीईपी अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और मिठाई बांटी। जीईपी को लेकर वर्ष 2012 में पद्मभूषण डा. अनिल जोशी के नेतृत्व में न्यू जलपाईगुड़ी पश्चिम बंगाल से देहरादून तक सात राज्यों में 45 दिन तक की गई यात्रा में शामिल द्वारिका प्रसाद सेमवाल, पत्रकार रेनू सकलानी, जाड़ी संस्थान के अध्यक्ष सतेन्द्र पंवार, रंजना कुकरेती, विनोद खाती, दया राम नोटियाल ने डा. जोशी को बधाई दी। साथ ही यात्रा के दौरान के अनुभव भी सांझा किए। यात्रा में शामिल रहे गढ़भोज, बीज बम एवं कल के लिए जल अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा कि जब पर्यावरण का एक और सूचक

पर्यावरण सूचकांक का विचार डा. अनिल प्रकाश जोशी ने सरकार और समाज के सामने रखा गया, तब जीईपी शब्द और विचार एक दम नया था, न ही किसी सरकारी या गैर सरकारी लोगों को इस बारे में पता था। यात्रा के दौरान जब इस मुद्दे को जनता के सामने रखा गया तो लोगों ने इसे हाथों हाथ लिया। जीईपी के लिए किए गए संघर्ष और उसकी सफलता को उत्सव के रूप में मनाने के लिए छह अप्रैल को जीईपी दिवस के रूप में जाड़ी संस्थान अन्य संगठनों के साथ मिलकर मनाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह को पत्र भेजा गया है। जीईपी के सूत्रधार डा. अनिल प्रकाश जोशी से भी बात की गई है। शुरुआती दौर की बातचीत उत्तराखंड के साथ हिमाचल के साथियों के साथ की जा चुकी है। इस ऐतिहासिक कार्य के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी बहुत बहुत धन्यवाद। यात्रा में शामिल रही पत्रकार रेनू सकलानी ने कहा की यह पल हमारे लिए गौरव का है। जीईपी को लेकर की गई यात्रा ने मेरे जीवन को नई दिशा दी और पर्यावरण के प्रति नई समझ विकसित की। मुझे इस महान ऐतिहासिक कार्य का हिस्सा बनाने के लिए मैं डा. अनिल जोशी का आभारी रहूंगी। इस मौके पर डा. अनिल जोशी ने कहा कि आपका ध्येय अगर पवित्र है तो अपने काम को करते रहें। आज लोगों को जीईपी को समझने की जरूरत है। इस अवसर पर पत्रकार रेनू सकलानी, विकास पंत आदि मौजूद रहे।

चुनाव में आधे पद छात्राओं के लिए आरक्षित करने के फैसले की प्रशंसा

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने छात्र संघ चुनाव में आधे पद छात्राओ के लिए आरक्षित करने के सरकार की फैसले की प्रशंसा की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल व महासचिव आरिफ वारसी और सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुकरेती ने संयुक्त बयान जारी करते हुए प्रदेश सरकार के उस निर्णय की भूरी-भूरी प्रशंसा की है जिसमें उन्होंने निर्णय लिया है कि आगामी छात्र संघ चुनाव में आधे पद छात्राओं के लिए आरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को यह कदम पहले उठा लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इससे छात्राओं को आगे आने और छात्र संघ चुनाव में उतरने का मौका मिलेगा। डंडरियाल और कुकरेती ने कहा कि सरकार के इस निर्णय की सभी को सराहना करनी चाहिए किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

कम्यूटेड पेंशन की अवधि कम करने को लेकर सचिव को दिया पत्र

संवाददाता

देहरादून। कमयूटेड पेंशन वसूली की अवधि दस साल किये जाने की मांग को लेकर पैशनर्स समन्वय समिति के शिष्टमंडल ने अपर मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां कम्यूटेड पेंशन वसूली की अवधि 15 से घटाकर 10 साल किए जाने की मांग को लेकर उत्तराखंड पैशनर्स समन्वय समीति के मुख्य संयोजक सुमन सिंह वल्दिया तथा समीति सदस्य सुशील त्यागी सचिवालय मे अपर मुख्य सचिव आनन्दवर्धन से मिले। इन्होने बताया की वर्तमान समय मे ब्याज दरे 12 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत होने के बावजूद अभी तक भी कमयुटेड पैंशन की वसूली 12 प्रतिशत ब्याज के साथ हो रही है। इन्होने स्पष्ट किया की कमयुटेड राशी पर अधिकतम ब्याज दर यदि 8 प्रतिशत भी आकलित की जाए

तो राशीकृत धनराशि की कटौती 10.8 वर्ष पूरी हो जाती है। इसलिए उत्तराखंड मे कॉम्यूटेशन पॉलिसी में संशोधन औचित्य पूर्ण है।

उन्होंने कहा पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा भी इस संबंध में अंतरिम आदेश जारी किए गए हैं तथा पांचवें छठे वेतन आयोग की सिफारिशो के अनुसार केरल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, गुजरात आदि राज्य सरकारों ने भी कटौती की अवधि पहले से कम कर दी है। अपर मुख्य सचिव ने शिष्टमण्डल की मांगों के संबंध में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

फ्लैट के नाम पर 20 लाख की ठगी में मां बेटे के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। फ्लैट के नाम पर 20 लाख की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मां बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय कालोनी निवासी डॉ. लक्ष्मण सिंह कैरा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि श्रीमती कविता सिन्हा पत्नी अरूण कुमार सिन्हा निवासी अमन विहार, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून व उसके पुत्र अभिनव अरूण कुमार सिन्हा द्वारा चिडोवाली में फ्लैट बनाये थे, जिसमें उसने एक फ्लैट प्रथमतल श्रीमती कविता सिन्हा व अभिनव अरूण कुमार सिन्हा से क्रय किया था। उसने उक्त फ्लैट का विक्रय पत्र सब-रजिस्ट्रार कार्यालय तृतीय देहरादून में विधिवत पंजीकृत है। उसने अपने फ्लैट में नगर निगम देहरादून में अपने नाम दर्ज करा लिया था. और फ्लैट पर उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन से विद्युत कनेक्शन भी ले लिया। उसने फ्लैट आईडीबीआई बैंक से लोन लेकर क्रय किया था। वह अपने निजी कार्य से शहर से बाहर रहता है, जिसकी जानकारी अभिनव कुमार सिन्हा व श्रीमती कविता सिन्हा को थी. जिसका फायदा उठाते हुए उसके उक्त फ्लैट का ताला तोड़कर उक्त फ्लैट पर बॉबी त्यागी पुत्र जयद्रत त्यागी निवासी सीमाद्वार, ऋषि विहार, के साथ मिलकर कब्जा कर लिया, उसको उक्त जानकारी होने पर जब वह अपने फ्लैट पर गया तो उसको ज्ञात हुआ कि अभिनव अरूण कुमार सिन्हा, श्रीमती कविता सिन्हा व बॉबी त्यागी ने मिलकर उक्त फ्लैट का एक अन्य विक्रय पत्र बॉबी त्यागी के साथ किया हुआ है, और बॉबी त्यागी द्वारा उसको बताया गया कि अभिनव अरुण कुमार सिन्हा व श्रीमती कविता सिन्हा ने उक्त फ्लैट उसको विक्रय कर दिया था, जिसका कब्जा उसने नहीं लिया था, बाद में उसने उसके किरायेदार को यहां से भगाकर फ्लैट का कब्जा ले लिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

कावड़ियों के हुड़दंग पर डीजीपी सख्त, दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

हमारे संवाददाता

देहरादून। कावड़ यात्रा का आगाज 22 जुलाई से हो चुका है। रोजाना लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा जल लेने विभिन्न राज्यों व क्षेत्रों से हरिद्वार पहुंच रहे हैं, लेकिन उनमें से कुछ श्रद्धालु उत्पात मचाकर यात्रा में विघ्न डालने का काम कर रहे हैं। इस तरह की तमाम घटनाओं का डीजीपी अभिनव कुमार ने संज्ञान लेते हुए पुलिस को दिशा-निर्देश जारी किए गये है कि कोई भी शिव भक्त इस तरह का उत्पात मचाता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा है कि उत्तराखंड शांति प्रिय प्रदेश है। यदि आस्था के नाम पर कुछ लोग यहां उत्पात मचाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिस क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र डोभाल ने भी सभी शिव भक्तों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी कांवड़ यात्री के साथ कोई घटना होती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस उस पर तत्काल कार्यवाई करेगी, लेकिन कोई शिव भक्त के रूप में कानून हाथ में लेता है तो उनके वीडियो के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि कांवड़ यात्रा को शुरू हुए अभी महज दो दिन ही हुए है, लेकिन बीते इन दो दिनों उत्तराखंड में भी ऐसी कुछ घटनाएं सामने आई है, जिनका पुलिस मुख्यालय ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। उत्पात मचाने वाले कावड़ियों को चिन्हित किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि हंगामा मचाने वाले कावड़ियें शिव भक्त नहीं हो सकते. ऐसे लोग यात्रा में आ रहे लोगों को बदनाम कर रहे हैं। पुलिस ने सभी से अपील करते हुए कहा कि वह अपनी यात्रा में संयम बनाए रखे।

दोस्त ने ही मारी थी दोस्त को गोली मुकदमा दर्ज, तलाश शुरु

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। चार दिन पहले घर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक को गोली लगने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। घायल युवक के दोस्त ने ही किसी विवाद के चलते उसपर फायर झोंक दिया था। जिसमें उसे दो गोली लगी। पीड़ित की हालत गंभीर है जिसके पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्जक कर जांच शुरू कर दी है। मामला ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के आजाद नगर का है। ट्रांजिट कैंप वार्ड नंबर सात, आजादनगर निवासी प्रताप पुत्र सोमपाल ने तहरीर में बताया कि 20 जुलाई को शाम करीब पांच बजे उनका पुत्र विशाल घर के पास मंदिर में खड़ा था। आजादनगर निवासी अरविंद ने उनके पुत्र विशाल को अपने घर पर बुलाया। घर पर अरविंद के साथ एक और लड़का और उसकी साली मुन्नी तथा एक बच्ची भी थी। कुछ समय के बाद जानकारी मिली कि विशाल को गोली लग गयी है। घायल को स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर देखते हुए विशाल को प्राथमिक उपचार कर एसटीएच हल्द्वानी रेफर कर दिया। वहां भी स्वास्थ्य सुधार न होने पर बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने बताया कि उसके पेट से आपरेशन के दौरान एक गोली निकली है तथा एक गोली पेट से आर- पार हो गयी थी। उपचार के दौरान विशाल ने बताया कि उसे अरविन्द ने गोली मारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी है।

ड्यूटी को जा रहे स्कूटी सवार को टैंकर ने मारी टक्कर, मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सड़क दुर्घटना में आज सुबह टैंकर की चपेट में आकर स्कूटी सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक घर से ड्यूटी जाने को लेकर स्कूटी लेकर निकला था। सड़क दुर्घटना का यह

मामला सिडकुल चौक पर घटित हुआ है। मृतक यहां सिडकुल की कंपनी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि आज सुबह जगदीश गाबड़ी अपनी ड्यूटी को जा रहे थे। इसी दौरान सिडकुल चौक पर एक टैंकर से उनकी स्कूटी की भिडंत हो गई। वह सड़क पर गिरे और टेंकर के पहिये के नीचे आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक जगदीश गाबड़ी सिडकुल की कंपनी में काम करते थे और आज सुबह अपनी ड्यूटी के लिए रोज की तरह स्कूटी से जा रहे थे। इस बीच यह भयानक हादसा हो गया।

सीएम धामी पहुचे केदारनाथ धाम, दर्शन कर किया व्यवस्थाओं का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

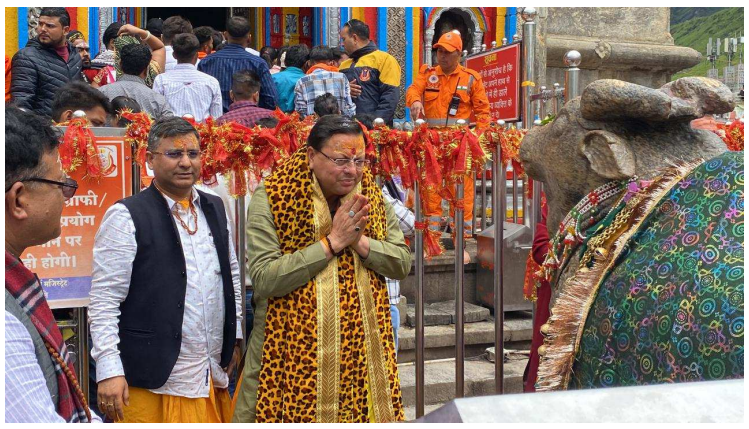

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज केदारधाम पर पहुंच कर बाबा केदार नाथ के दर्शन किये जलाभिषेक के बाद उन्होंने यात्रा व्यवस्थाओं व पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को बाबा केदारनाथ के दर्शनों को श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ का रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं विश्व कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों का की समीक्षा की।

एक दिवसीय दौरे पर बाबा केदारनाथ धाम के दर्शनों को पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पांडे, आईजी पुलिस गढ़वाल करन सिंह नगन्याल, जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार एवं पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा वीआईपी हैलीपैड पर स्वागत किया। ड्यूटी पर मौजूद सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अभिनंदन करने के बाद मुख्यमंत्री तीर्थ पुरोहित समाज एवं मुख्य पुजारी से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ मंदिर में प्रवेश कर विशेष पूजा अर्चना एवं रुद्राभिषेक कर संपूर्ण विश्व एवं मानवता के कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड के सतत विकास के लिए भी बाबा केदार से आशीर्वाद मांगा। करीब 20 मिनट पूजा के पाश्चात्य मुख्यमंत्री ने धाम में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों का अभिवादन कर श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने धाम के मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग का आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं तीर्थ पुरोहितों के साथ धाम में चल रहे निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों के संबंध में चर्चा कर विकास कार्यों के सुझाव मांगे। उन्होंने केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों का की समीक्षा करते हुए निर्माण एवं पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने एवं गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समयबद्धता के साथ सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीकेटीसी योगेन्द्र सिंह, प्रभारी कार्यकारी अधिकारी आरसी तिवारी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश उनियाल, अनूप सेमवाल, केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, विनोद शुक्ला, किशन बगवाड़ी, उमेश पोस्ती, केशव तिवारी, दिनेश बगवाड़ी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी एवं तीर्थ पुरोहित मौजूद रहे।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केशव रोड निवासी ललित शर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह केशव रोड़ पर अपनी मां तुलसा रानी के साथ रहता है। वह सुबह नौ बजे अपनी मां को अपनी बहन के मकान में संजय कॉलोनी मे छोड़कर अपने घर में ताला लगाकर अपने काम पर चला गया जब वह शाम को करीब छह बजे वापस आया तो उसने अपने घर का ताला व दरवाजे के कुंडे टुटे पाये व सारा सामान कपड़े बिखरे पाये गये और उसका कीमती सामान चोरी हुआ पाया व वह घर के अन्दर आया तो अलमारी व बक्से के कुंडे टुटे पाये। उसके घर से करीब 23 हजार रूपये, दो जोडी सोने के टाप्स, एक सोने की चौन, चांदी के सिक्के पुराने करीब 350, चांदी की मूर्ति गणेश लक्ष्मी, अहोई की माला, तीन जोडी पायल व चांदी की कटोरी व गिलास व नये कपड़े ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष नगर तिलक मार्ग निवासी मौहम्मद कैफ ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी अपने घर के बाहर खडी की थी। जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारी बारिश के कारण नदी-नालों में आया उफान, जनजीवन प्रभावित

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में एक बार फिर बारिश आफत बनकर बरसी। देर रात शुरू हुई बारिश ने सुबह तक अपना कहर बरपाया। इस दौरान नदी नाले उफान पर रहे जिस कारण कई स्थानों पर जहां पुश्ते टूटे वहीं आस-पास लोगों के घरों व दुकानों में पानी घुस गया। भारी बारिश के कारण बिजली के पोल व पानी की लाइनें भी क्षतिग्रस्त हो गयी जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बीती देर रात शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण रायपुर क्षेत्र के शांति विहार स्थित नाले में एकाएक तेज पानी आने से बरसाती पानी लोगों के घरों में घुस गया। हालांकि तेज बारिश व नाले में अचानक आये उफान के दौरान लोग अपने घरों से बाहर सड़कों पर निकल गए, वही सड़के भी जलमग्न हो गयी। रात भर लोग घर में घुसे पानी को निकालने में जुटे रहे। उधर इन क्षेत्रों में रात भर बिजली भी गुल रही जिस कारण लोगों को परेशानियों से दो चार होना पड़ा। इस दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से लाउड स्पीकर के जरिये नदी किनारे रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की हिदायत भी दी रही थी।

देर रात हुई भारी बारिश के कारण सुबह इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर सड़कें व पुस्ते टूटे दिखायी दिये वहीं कई जगह पुल व पुलिया भी गायब मिले। बिजली के पोलों के बह जाने के कारण बिजली भी अवरूद्ध रही वहीं पानी की लाइनों के

❑घरों-दुकानों में घुसा पानी, पुस्ते धंसे, सड़कों व बिजली के पोलों की भी हुई क्षति

टूटने से लोगों के घरों में पानी भी नहीं आ सका। वहीं युवा भाजपा नेता सूरज रावल ने बताया कि भारी वर्षा होने के कारण कई स्थानों पर पुश्ता टूटने की वजह से लोगों के घरों में पानी घुस गया जिसके कारण लोगों को भारी नुकसान हुआ। उन्होने बताया कि उन्होने फोन कर लेखपाल को मौके पर बुलाकर निरीक्षण किया, वहीं लोगों की समस्याओं को प्रशासन को अवगत कराया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।